



Mr.Nilesh maharaj

25 Dec 1981

07:00 AM

Visavadar

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 119724701

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 24-25/12/1981
दिन _____: गुरु-शुक्रवार
जन्म समय _____: 07:00:00 घंटे
इष्ट _____: 59:06:50 घटी
स्थान _____: Visavadar
राज्य _____: Gujarat
देश _____: India

अक्षांश _____: 21:22:00 उत्तर
रेखांश _____: 70:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:46:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 06:13:28 घंटे
वेलान्तर _____: 00:00:28 घंटे
साम्पातिक काल _____: 12:27:24 घंटे
सूर्योदय _____: 07:21:16 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:10:58 घंटे
दिनमान _____: 10:49:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 09:34:08 धनु
लग्न के अंश _____: 03:43:55 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: वृश्चिक - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: ज्येष्ठा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: गण्ड
करण _____: शकुनि
गण _____: राक्षस
योनि _____: मृग
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: कीटक
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1903	पौष	4
पंजाबी	संवत : 2038	पौष	11
बंगाली	सन् : 1388	पौष	10
तमिल	संवत : 2038	मार्गड़ी	10
केरल	कोल्लम : 1157	धनु	10
नेपाली	संवत : 2038	पौष	11
चैत्रादि	संवत : 2038	पौष	कृष्ण 14
कार्तिकादि	संवत : 2038	मार्गशीर्ष	कृष्ण 14

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 13
तिथि समाप्ति काल _____ : 10:32:23
जन्म तिथि _____ : 14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : अनुराधा
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 14:31:56 घंटे
जन्म योग _____ : ज्येष्ठा
सूर्योदय कालीन योग _____ : शूल
योग समाप्ति काल _____ : 22:52:19 घंटे
जन्म योग _____ : गण्ड
सूर्योदय कालीन करण _____ : वणिज
करण समाप्ति काल _____ : 10:32:23 घंटे
जन्म करण _____ : शकुनि
भयात _____ : 41:10:10
भोग _____ : 67:34:04
भोग्य दशा काल _____ : बुध 6 वर्ष 7 मा 24 दि

घात चक्र

मास _____ : आश्विन
तिथि _____ : 1-6-11
दिन _____ : शुक्रवार
नक्षत्र _____ : रेवती
योग _____ : व्यतिपात
करण _____ : गर
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : सिंह
लग्न _____ : वृश्चिक
सूर्य _____ : मकर
चन्द्र _____ : वृष
मंगल _____ : कुम्भ
बुध _____ : वृश्चिक
गुरु _____ : मीन
शुक्र _____ : मेष
शनि _____ : कर्क
राहु _____ : वृष

Shree Laxmi Jyotish

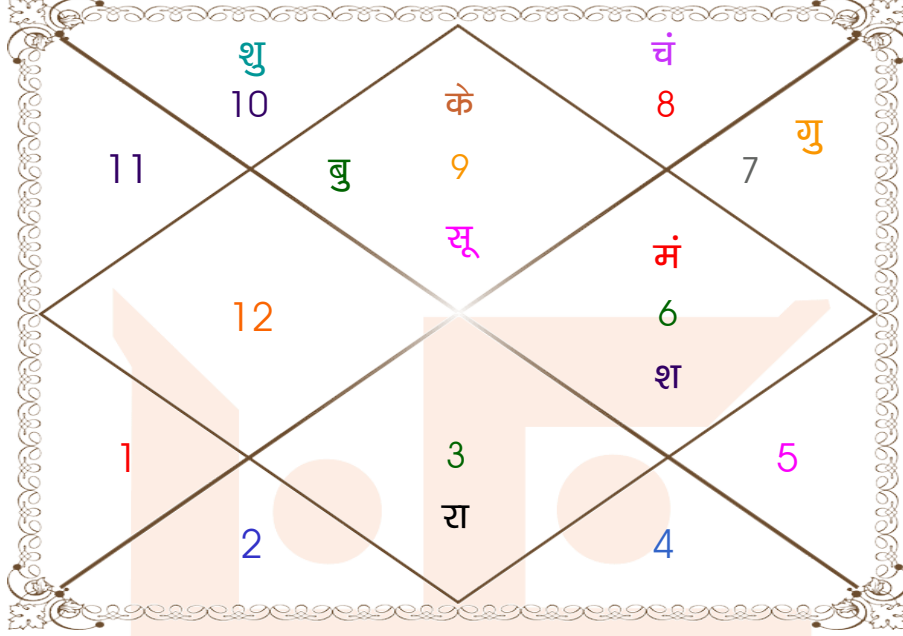
Bhayandar East

9702640406

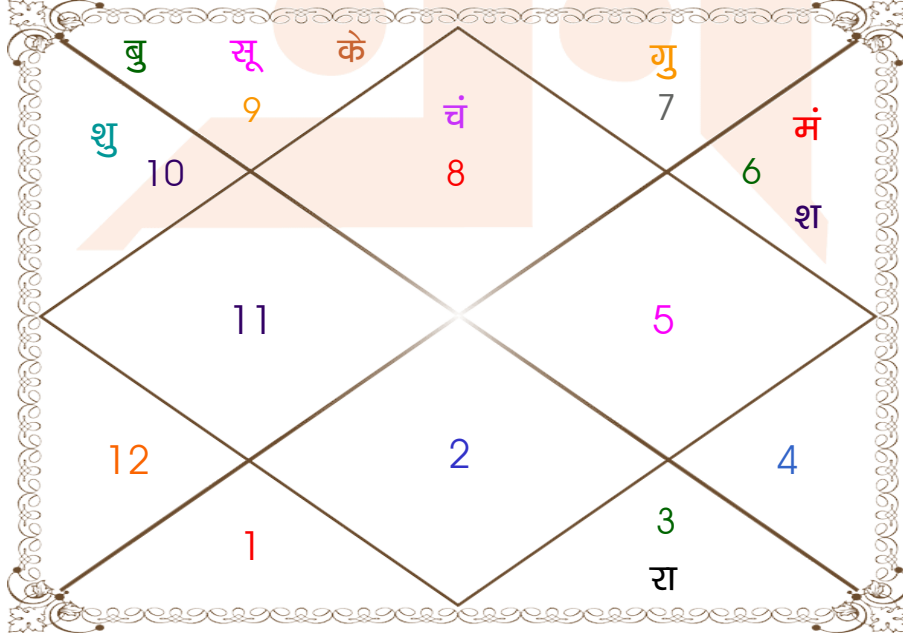
teraiya.dharmesh@gmail.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली



चन्द्र कुंडली



Shree Laxmi Jyotish

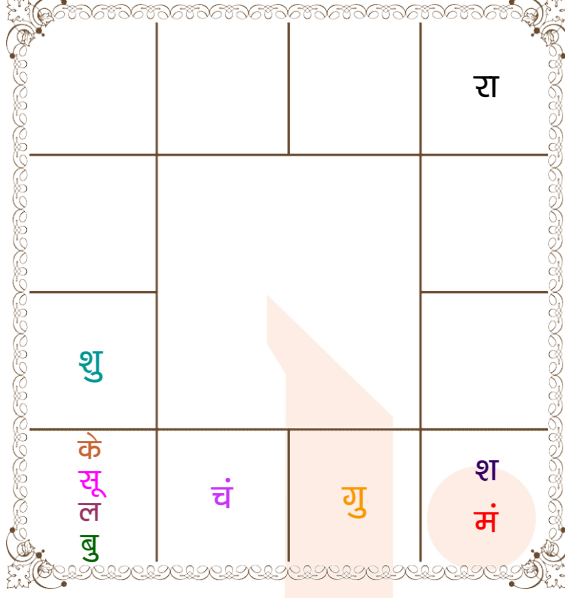
Bhayandar East

9702640406

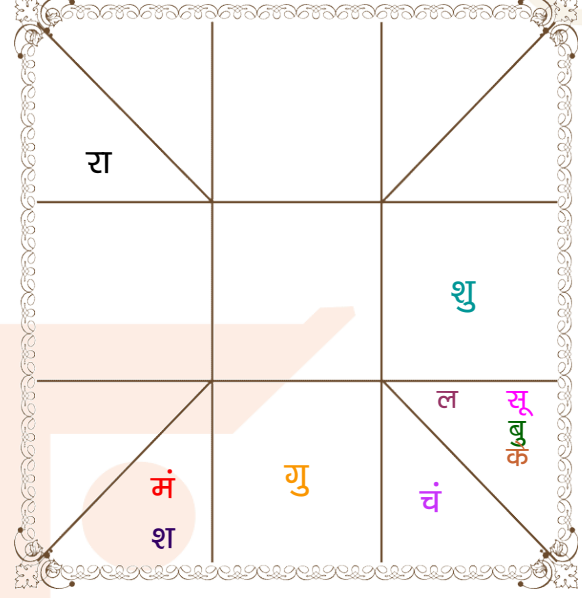
teraiya.dharmesh@gmail.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली



लग्न कुण्डली



विंशोत्तरी
बुध 6वर्ष 7मा 24दि
बुध

25/12/1981

19/08/2091

बुध	18/08/1988
केतु	19/08/1995
शुक्र	19/08/2015
सूर्य	19/08/2021
चन्द्र	19/08/2031
मंगल	19/08/2038
राहु	18/08/2056
गुरु	18/08/2072
शनि	19/08/2091

योगिनी

भद्रिका 1वर्ष 11मा 14दि

उल्का

09/12/2019

09/12/2025

उल्का	08/12/2020
सिद्धा	07/02/2022
संकटा	09/06/2023
मंगला	09/08/2023
पिंगला	09/12/2023
धान्या	09/06/2024
भ्रामरी	07/02/2025
भद्रिका	09/12/2025

Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

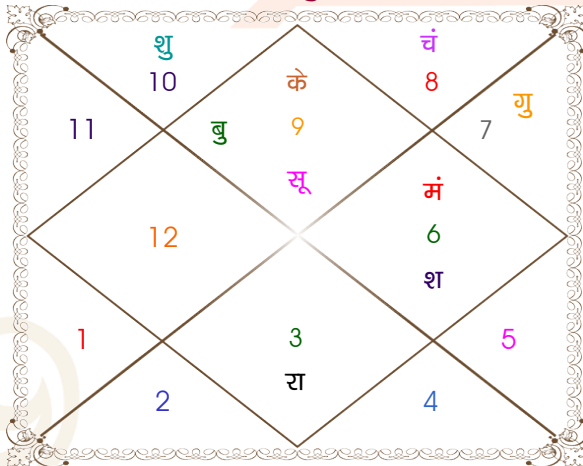
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	धनु	03:43:55	---	--	--	--	नेक
सूर्य	धनु	09:34:08	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	वृश्चिक	24:47:06	नीच राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	कन्या	10:31:00	शत्रु राशि	हाँ	--	--	नेक
बुध	धनु	17:46:07	सम राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	तुला	11:25:02	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	मकर	14:24:09	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
शनि	कन्या	27:26:53	मित्र राशि	हाँ	--	--	नेक
राहु	व मिथुन	28:52:04	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व धनु	28:52:04	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा

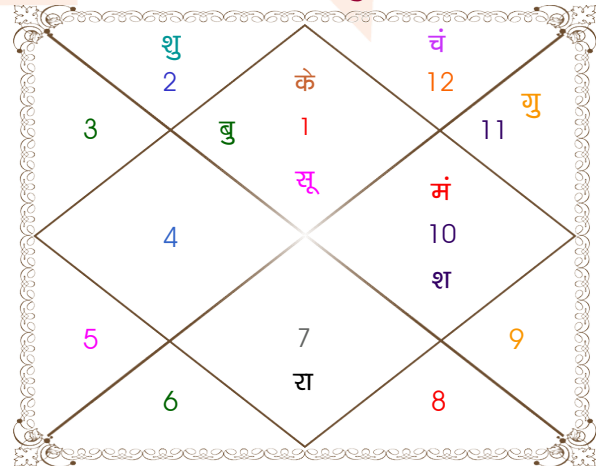
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	हाँ	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

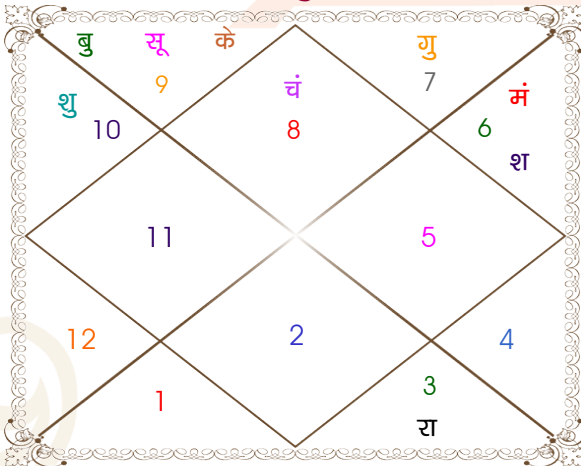
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

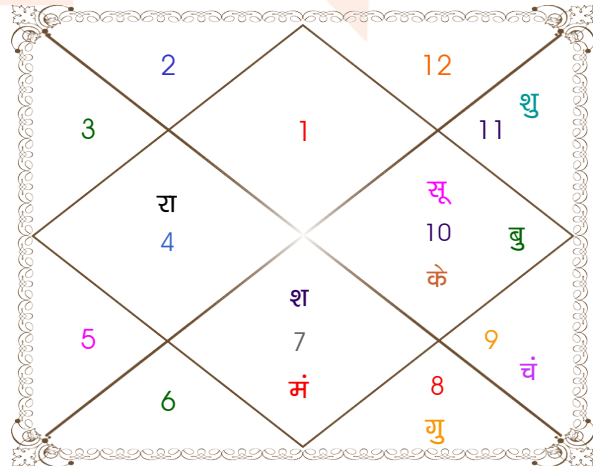
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	सतयुगी राजा, हाकिम।	--
चंद्र	रात के वक्त का तूफान जिससे बस्तियां उजड़े।	--
मंगल	चींटी के घर भगवान राजा।	--
बुध	राजा या हाकिम मगर खुदगर्ज।	--
गुरु	खजूर के पेड़ की भांति अकेला।	ग्रह
शुक्र	मोह माया का उम्दा ग्रहस्थ।	--
शनि	लेख का कोरा खाली कागज।	ग्रह
राहु	चंडाल, लक्ष्मी का धुआं निकालने वाला।	राशि
केतु	सारे शहर के बच्चों की फिक्र में गलता होगा।	--

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 25/12/1981 25/12/1987	राहु 6 वर्ष 25/12/1987 25/12/1993	केतु 3 वर्ष 25/12/1993 25/12/1996	गुरु 6 वर्ष 25/12/1996 25/12/2002	सूर्य 2 वर्ष 25/12/2002 25/12/2004
राहु 25/12/1983 बुध 25/12/1985 शनि 25/12/1987	मंगल 25/12/1989 केतु 25/12/1991 राहु 25/12/1993	शनि 25/12/1994 राहु 25/12/1995 केतु 25/12/1996	केतु 25/12/1998 गुरु 25/12/2000 सूर्य 25/12/2002	सूर्य 26/08/2003 चंद्र 25/04/2004 मंगल 25/12/2004
चंद्र 1 वर्ष 25/12/2004 25/12/2005	शुक्र 3 वर्ष 25/12/2005 25/12/2008	मंगल 6 वर्ष 25/12/2008 25/12/2014	बुध 2 वर्ष 25/12/2014 25/12/2016	शनि 6 वर्ष 25/12/2016 25/12/2022
गुरु 25/04/2005 सूर्य 25/08/2005 चंद्र 25/12/2005	मंगल 25/12/2006 शुक्र 25/12/2007 बुध 25/12/2008	मंगल 25/12/2010 शनि 25/12/2012 शुक्र 25/12/2014	चंद्र 26/08/2015 मंगल 25/04/2016 गुरु 25/12/2016	राहु 25/12/2018 बुध 25/12/2020 शनि 25/12/2022
राहु 6 वर्ष 25/12/2022 25/12/2028	केतु 3 वर्ष 25/12/2028 25/12/2031	गुरु 6 वर्ष 25/12/2031 25/12/2037	सूर्य 2 वर्ष 25/12/2037 25/12/2039	चंद्र 1 वर्ष 25/12/2039 25/12/2040
मंगल 25/12/2024 केतु 25/12/2026 राहु 25/12/2028	शनि 25/12/2029 राहु 25/12/2030 केतु 25/12/2031	केतु 25/12/2033 गुरु 25/12/2035 सूर्य 25/12/2037	सूर्य 25/08/2038 चंद्र 26/04/2039 मंगल 25/12/2039	गुरु 25/04/2040 सूर्य 25/08/2040 चंद्र 25/12/2040
शुक्र 3 वर्ष 25/12/2040 25/12/2043	मंगल 6 वर्ष 25/12/2043 25/12/2049	बुध 2 वर्ष 25/12/2049 25/12/2051	शनि 6 वर्ष 25/12/2051 25/12/2057	राहु 6 वर्ष 25/12/2057 25/12/2063
मंगल 25/12/2041 शुक्र 25/12/2042 बुध 25/12/2043	मंगल 25/12/2045 शनि 25/12/2047 शुक्र 25/12/2049	चंद्र 25/08/2050 मंगल 26/04/2051 गुरु 25/12/2051	राहु 25/12/2053 बुध 25/12/2055 शनि 25/12/2057	मंगल 25/12/2059 केतु 25/12/2061 राहु 25/12/2063
केतु 3 वर्ष 25/12/2063 25/12/2066	गुरु 6 वर्ष 25/12/2066 25/12/2072	सूर्य 2 वर्ष 25/12/2072 25/12/2074	चंद्र 1 वर्ष 25/12/2074 25/12/2075	शुक्र 3 वर्ष 25/12/2075 25/12/2078
शनि 25/12/2064 राहु 25/12/2065 केतु 25/12/2066	केतु 25/12/2068 गुरु 25/12/2070 सूर्य 25/12/2072	सूर्य 25/08/2073 चंद्र 26/04/2074 मंगल 25/12/2074	गुरु 26/04/2075 सूर्य 26/08/2075 चंद्र 25/12/2075	मंगल 25/12/2076 शुक्र 25/12/2077 बुध 25/12/2078
मंगल 6 वर्ष 25/12/2078 25/12/2084	बुध 2 वर्ष 25/12/2084 25/12/2086	बुध 2 वर्ष 25/12/2084 25/12/2086	बुध 2 वर्ष 25/12/2084 25/12/2086	बुध 2 वर्ष 25/12/2084 25/12/2086
मंगल 25/12/2080 शनि 25/12/2082 शुक्र 25/12/2084	चंद्र 25/08/2085 मंगल 26/04/2086 गुरु 25/12/2086	चंद्र 25/08/2085 मंगल 26/04/2086 गुरु 25/12/2086	चंद्र 25/08/2085 मंगल 26/04/2086 गुरु 25/12/2086	चंद्र 25/08/2085 मंगल 26/04/2086 गुरु 25/12/2086

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6वें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

देवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग देवा उसको कहते हैं जबकि देवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का देवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग देवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी नाबालिग ग्रहों का देवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्य आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृ ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतूतों का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृ ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटा-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बीमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में सूर्य है। इसकी वजह से बाहर से मधुर स्वभाव परंतु अंदर से आग का शोला होंगे। आपका चाल-चलन अच्छा होगा। आप तेजस्वी, प्रतापी, शत्रुहंता होंगे। आप में आत्मसिद्धि, मानसिक रूप से चिन्तित, मान-सम्मान से युक्त होंगे। सत्ता से लगाव, लेखा-जोखा के कार्य में संलग्न, सभी प्रकार की शिक्षा प्राप्ति होगी। आप विचारों के पक्के शराब-नशे से दूर रहने वाले, हर बात में पहल करने वाले, आक्रामक, मुंह तोड़ जवाब देने वाले तथा परिश्रमी होंगे। आप पुरुषार्थ से धन कमा कर धनी होंगे। आप दूसरों की सहायता करेंगे। आप ठोकरें खा-खाकर चमकेंगे। आपको सताने वाला नष्ट हो जाएगा। आपकी प्रसिद्धि और बढ़ेगी। धार्मिक कार्य और परोपकार में धन लगाने से उन्नति होगी। 24 वर्ष की आयु में विवाह शुभ, संतान एवं पत्नी का सुख मिलेगा, अच्छे कार्य में अगुवा रहेंगे। गरीबों के मदद्गार एवं क्रोधी होंगे। आप किसी बात को सुन कर फिर देख कर विश्वास करेंगे। सिर गंज पड़े तो धनवान होने का समय आयेगा, आपके स्वतंत्र विचार रहेंगे और यात्रा से लाभ मिलेगा। सरकारी विभाग में उच्चाधिकारी या सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध होंगे और उनसे लाभ पा सकते हैं। आप जनता के लाभार्थ कार्य करेंगे।

यदि आपने जनता से दुर्व्यवहार किया या परिवार-कल्याण के कामों में विघ्न पैदा किये या मकान के अंत में अंधेरा कमरा रोशनी में बदला तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य का मंदा असर शारीरिक व हड्डी रोग, दिल की धड़कन तेज आदि प्रतिकूल फल मिलते हैं। क्रोध करने और दुर्वचन बोलने से रक्तचाप का रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मांस-मदिरा का प्रयोग न करें।
2. दिन के समय चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।
2. मकान के अंत में अंधेरी कोठरी/कमरा बनायें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपके मन की बहुत बातें पूरी नहीं हो सकती हैं या तरस-तरस कर सभी काम बनेंगे। आपकी पढ़ाई-लिखाई बहुत अच्छी होगी और आप बहुत होशियार रहेंगे। एक बात पर कायम नहीं रहेंगे या आपको बात करते-करते बात बदलने की आदत होगी। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़

नहीं रहेगी। पढ़ाई-लिखाई का उपयोग आपके जीवन में कम होगा। वर्तमान समय अच्छा गुजरता रहेगा। भविष्य की बातें स्वप्न में देखेंगे। लोग आप पर विश्वास करके अपना भेद भी बता देंगे। आप उनकी बातों को गुप्त रखेंगे। आपके आश्वासन से लोगों को राहत मिलेगी। आप अपने पूर्वजों के हालात बढ़ा-चढ़ा कर बताएंगे। अपनी कमाई का धन जमा रहेगा। 48 वर्ष आयु के बाद बहुत सुखी रहेंगे।

यदि आपने घर में हैंड पंप या पानी का साधन छत के नीचे रख, नीम का वृक्ष काटा, चाल-चलन ठीक न रखा, बुजुर्गों के काम को नष्ट किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आप बीते समय को याद करके अपना समय खराब करेंगे। जीवन में ऐसे काम भी हो सकते हैं जो अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसे होंगे। जमीन-जायदाद आदि का कोर्ट में झगड़ा होगा, फैसला बहुत देर बाद होगा और आपके हक में होगा। आपकी संतान निकम्मी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति नष्ट हो सकती है और आप मुसीबत पर मुसीबत उठायेंगे। खुशी के बाद की घटना खुशी को समाप्त कर देगी। आपकी आंखों पर बुरा असर पड़ सकता है। दिमागी परेशानियों के कारण नींद हराम हो सकती है। मातृ सुख का अभाव हो सकता है। आपको पानी से भय है आप अपनी और ससुराल की संपत्ति पर भारी पड़ेंगे। धन का नाश कर देंगे। आपके जीवन में दुःख का कारण परस्त्री हो सकती है। इस मामले में आप दुर्बल हैं। आप आलसी, धनहीन एवं अस्वस्थ रहेंगे आपको हर प्रसन्नता के बाद कोई न कोई दुःख भोगना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. छत के नीचे हैंड पंप आदि न लगायें।
2. बीता हुआ समय याद न करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर पर रखें।
2. 16 लीटर वर्षा के पानी में चांदी के चार चौरस टुकड़े को डाल कर रखें।
3. आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में रखें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका संतान पक्ष निर्बल रहेगा। 45 वर्ष की आयु तक संतान सुख के लिए समय मध्यम रहेगा। आपकी कमांडिंग बरकरार होगी। अगर आप सरकारी सेवा में रत होते हैं तो सेना या पुलिस में उच्च पद मिलेगा। आप एक जाने-माने समाज सेवक होंगे। आप अवश्य ही धनवान होंगे। आप अच्छे या बुरे तरीके से भी धन कमा कर बड़ी जायदाद के मालिक बनेंगे। 32 वर्ष से 64 वर्ष आयु तक खूब धन का आगमन होगा। आप राज सुख से युक्त रह कर शाही जीवन बिताएंगे। आप पोते-पड़पोते का सुख भोगेंगे। आपके जन्म के बाद आपके पिता की माली हालत अच्छी

होने की उम्मीद है। आप अपनी जायदाद बनाएंगे और आप कई मकान के मालिक होंगे। अपनी मेहनत से दौलत पैदा करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। गृहस्थ जीवन आराम से गुजरेगा। आप में पूरी दिलेरी रहेगी और आपका हौसला बुलंद रहेगा। आपके यहां कई मांगलिक कार्य होंगे। मिला-जुला कर आपका जीवन बहुत सुखी रहेगा।

यदि आपने पुलिस सेना विभाग से झगड़ा किया, समाज विरोधी कार्य किये, परिवार के लोगों के साथ झगड़ा किया, नमक या नमकीन चीजों का अधिक प्रयोग किया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से 22वां वर्ष खुद के लिए कष्टकारक होगा। आप खानदान को तोड़ने वाले होंगे। आप सोना बेचेंगे तो इसका बुरा असर औलाद पर पड़ेगा। आपकी बदनामी हो सकती है। चोरी का लांछन भी लग सकता है कभी जेल भी जाना पड़े, ऐसी आशंका है या आपको जेल विभाग में नौकरी करनी पड़ सकती है। ननिहाल में रहना आपको मंदा फल देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सोना न बेचें।
2. दूध उबल कर गैस चूल्हे/चूल्हे या अंगीठी पर न गिरे, न जले।

उपाय :

1. हिरण की पालना करें।
2. काने-काने, गंजे व्यक्ति की सेवा करें।

बुध

आपकी जन्म कुंडली के पहले खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपको ज्योतिष विद्या से लगाव रहेगा और आप पूर्णरूपेण इस विषय के ज्ञाता भी होंगे। आपका संबंध व्यवसाय, व्यापार से रहेगा। शिल्पकला, दस्तकारी से भी लगाव रहेगा। आपकी बुद्धि भी तेज होगी। आप द्विस्वभावात्मक प्राणी हैं। आप पर दूसरों का असर तेजी से पड़ता है। दो शत्रुओं के मध्य रह कर भी सुरक्षित रहेंगे। फलस्वरूप आप अच्छे कार्य एवं अच्छी बुद्धि से प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेते हैं। आप सामर्थ्य और शक्तिशाली व्यक्ति के पक्षधर हो कर उसे शक्ति प्रदान करते हैं। भयातुर धीरे-धीरे चलने वाले, मधुरभाषी, आकर्षक व्यक्तित्व के, अनेक रूपों वाले हैं। आप बातचीत करना पसंद करते हैं। आप कल्पना जगत के प्राणी हैं। हर व्यक्ति को अपना बना लेने की कला विद्यमान है। आपकी ऊंची बातें भाग्य बनाने में सहायक हैं। आपके मुंह से निकली बुरी बात का असर पड़ता है। आप के अंदर आन्तरिक शक्ति है एवं काम कला में प्रवीण हैं। आप दूसरों की परवाह नहीं करते हैं, स्वार्थपरायण, अपनी प्रशंसा चाहने वाले हैं।

यदि आपने नेकी का रास्ता छोड़ बदी का रास्ता अपनाया, अण्डे खाये, राग गाने का शौक रखा, शराब पी और मांस-मछली खायी, अधर्म के काम किये या जादू-टोना वशीकरण आदि विद्या में रुचि रखी तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो

गया हो तो बुध के मंदे असर से आपकी कुछ आदतें बुरी हैं। धीरे-धीरे सोच-समझ कर बोलने की आदत से बुद्धिमानी का प्रतीक बनेंगे। आप चलते-चलते या काम करते-करते बातें करना पसंद करते हैं। अकारण कंजूसी बरतना प्रतिष्ठा के प्रतिकूल है। संतान सुख में बाधा की आशंका है। चमड़ी का रोग या पेट में खराबी रहेगी। जादू-टोना विद्या में रुचि रखने से धन-परिवार की हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अंडा या अंडे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-मछली का सेवन न करें।

उपाय :

1. धर्म-कर्म करें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा जरूर करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पिता का सहयोग प्राप्त होगा। भाई आपके मदद्गार हो सकते हैं और उनसे लाभ भी होगा। कारोबार में भाई का साथ भाग्य जगाता है। आपके जीवन के 16 वर्ष से 28 वर्ष तक का समय भाग्य आपका खूब साथ देगा। आपके भाग्य से ससुराल वालों को बहुत लाभ होगा आपको धन-संपदा प्राप्त होगी। आप गरीबों की मदद करेंगे तथा धर्म में विश्वास रखेंगे, तो आपका भला होगा। पिता की उम्र तक आपकी हालात अच्छी रहेगी। आपको लाभ तो होगा परंतु आप कर्जदारी में भी रहेंगे। सरकारी कामों से संबंधित कमाये धन में बहुत बरकत होगी। आपके जीवन में आमदनी के और भी कई रास्ते हो सकते हैं। आप दूसरों के मदद्गार होंगे आप अपनी आमदनी का अपव्यय भी कर सकते हैं या आप अपने धन को संभाल कर नहीं रख सकेंगे। आपकी दोस्ती से दूसरों को लाभ मिलेगा। आप अपने भाई-बंधुओं, दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार रखेंगे। आप अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं करेंगे।

यदि आपने पूजा स्थान घर में रखा, चाल-चलन खराब किया, घर में या घर के पास सूखा पीपल का वृक्ष हुआ तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से परंतु पिता की मृत्यु के बाद कोई सहायता नहीं करेगा। आप परिवार के साथ रह कर सुखी परंतु अकेले रहने में दुःखी रहेंगे। आप की आंखों की नज़र कमजोर हो सकती है। बुढ़ापे में आपकी किस्मत ढीली हो जाएगी। परिवार कितना बड़ा हो मगर कफन पराया मिले ऐसा शक है। आप शराब-बीयर आदि न पीएं वरना आपके पास धन नहीं टिकेगा। पिता की मौत के बाद आपके भाग्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आपकी मौत शान और सम्मान से होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और

उपाय करें।

परहेज :

1. अण्डे न खावें।
2. पूजा स्थान घर में न रखें। धर्म मंदिर में पूजा करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से जीवन भर धन-संपत्ति, संतान सुख में वृद्धि होगी। आपको सभी पक्ष से शुभ फल प्राप्त होंगे। आप बहुत परिश्रमी होंगे। आपको भाई का सुख प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार ठीक से चलते रहेंगे। दिन दुगुनी रात चौगुनी तरक्की होती रहेगी। आप सम्माननीय व्यक्ति होंगे। आप ईश्वर पर विश्वास करें तो आपकी सभी कामनाएं पूरी होंगी। पत्नी का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आपके जीवन के साठ साल की उम्र तक खूब आमदनी होगी। आप साधू-संतों की वेशभूषा पहन कर आशिकाना ख्याल के मालिक होंगे। चारित्रिक सुधार के बावजूद आपका जीवन सफल रहेगा। आपके शत्रु आप से दबे रहेंगे। आपके भाई तथा लड़के की किस्मत अच्छी होगी। आपको दुनियाबी सहायता मिलेगी। आप प्रेम संबंध बड़ी होशियारी से करेंगे। आप कामयाब आशिक होंगे।

यदि आपने शेरमुख घर में रिहाईश की, राग-रंग से नफरत रखी, आलू का व्यापार किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से घर में बीमारी लगी होगी। रक्तदोष एवं शुक्राणु दोष के कारण औलाद की पैदाइश में रुकावट हो सकती है। संतान जन्म में बाधा की आशंका हो तो (किसी वैद्य/हकीम की सलाह लेकर आयुर्वेद दवाईयों का प्रयोग करें)। आप किसी के साथ बुराई करें तो आत्मघात जैसा फल मिलेगा। दूसरे के बच्चे को गोद लेने पर अपनी संतान बाधा दूर हो जाएगी। बुराई करने पर आपके बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. पघुओं पर जुल्म न करें।
2. घर मुख घर में रिहाइघ न करें।

उपाय :

1. आलू, घी या दही का दान करें।
2. बिना सींग की गाय की सेवा करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के दसवें खाने में शनि पड़ा है। जिसकी वजह से आप महत्वाकांक्षी होंगे। सरकार द्वारा लाभान्वित होंगे। आप दूसरों का सम्मान करेंगे तो आप भी सम्मानित होंगे। आयु के हर सातवें वर्ष में आपके धन में वृद्धि होगी। आयु का हर तीसरा वर्ष आपके लिए फायदेमंद रहेगा। सवारी का अच्छा फल मिलेगा। ससुराल पक्ष के धन में वृद्धि होगी। आप धर्मात्मा तो होंगे परंतु बुढ़ापे में आप निकम्मे हो जाएंगे। आप एक ही जगह पर स्थायी कार्य करेंगे तो अच्छा लाभ होगा। आप परिश्रमी और अपने हाथ से अपना भाग्य बनायेंगे। 39 वर्ष की आयु तक पिता का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आपके जीवन का 3रा, 5वां, 9वां, 21वां 33वां, 40वां एवं 57वां वर्ष में 10 गुनी तरक्की, इज्जत और धन-दौलत के लिए लाभदायक समय रहेगा।

यदि आपने 48 वर्ष की आयु से पहले मकान बनाया, शराब-मछली का सेवन किया, चाल-चलन खराब किया, इधर-उधर भाग दौड़ करने वाली नौकरी-व्यापार किया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से यदि आप शराब सेवन नहीं करें तो निश्चय ही आपके भाग्य में उन्नति होगी। आपसे किसी की मृत्यु, आग्नेय शस्त्र या हथियार से हो ऐसी आशंका है। पत्नी के लिए कष्टकारक रहेगा। आपके गृहस्थ और ससुराल के लोग कष्ट में रहेंगे, माता-पिता को कष्टकारी होगा। शराब-मछली के सेवन से तरक्की-अवनति में बदलती रहेगी या बहुत हानि होगी। धन-सम्मान मिट्टी में मिल जाये, ऐसी शंका है। आपके जीवन का 27वां वर्ष हानिकारक हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मादक चीजों-द्रव्यों और शराब-मछली का सेवन न करें।
2. भाग-दौड़ के काम न करें।

उपाय :

1. हथियार पास न रखें।
2. सिर पर चोटी रखें या केसर का तिलक करें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के सातवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से 21 वर्ष के पहले या 29वें वर्ष विवाह हो जाए तो बुरे फल की आशंका बनती है। आपका संबंध राजनीतिज्ञों से रहेगा। अगर आप सरकारी विभाग में सेवारत हैं तो सरकारी विभाग में पदोन्नति एवं पुरस्कार मिलने की आशा है। धन और मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आप बिजली के काम, पुलिस या जेल विभाग की नौकरी से आजीविका चला सकेंगे। शेयर/लाटरी में दिवालिया हो सकते हैं। आपको कन्या संतान का सुख विवाह के बाद जल्द ही परंतु पुत्र सुख में विलंब हो सकता है। विदेश की यात्रा भी हो सकती है। आप जन्म स्थान से बाहर रह कर ही सुखी रह

सकेंगे। यदि आप अपने धन पर नियंत्रण नहीं रख सके तो सगे-संबंधी निश्चित रूप से धन की क्षति करने में पीछे नहीं रहेंगे।

यदि आपने अपने पास दोहता रखा या कुत्ता पाला, समाज में बदनामी के कार्य किये, पत्नी से मार-पीट की तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से भाई-बन्धु आपकी संपत्ति खा जाएंगे। भाई द्वारा भी आपके धन का दुरुपयोग हो सकता है। आपको साझेदारी के व्यवसाय, बिजली के सामान की दुकानदारी या व्यवसाय से हानि की आशंका है। पुलिस, जेल विभाग की नौकरी में धोखा-धड़ी की तो आपकी आयु क्षीण होगी। पत्नी से मन-मुटाव रह सकता है इसका कारण आपका शंकाग्रस्त रहना बताता है। पत्नी से जुदाई मुकद्दमेबाजी हो ऐसी शंका है। आपको राजदरबार से परेशानी या काम काज में रुकावट नहीं आएगी। आपके जीवन में आपकी बदनामी भी हो सकती है। जीवन में संघर्ष रहेगा। पारिवारिक दशा बहुत अच्छी नहीं रहेगी। धन-संपत्ति एवं पत्नी के सुख में अभाव रह सकता है। कोई गर्भपात संभव है। पत्नी को सिरदर्द की बीमारी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर में कुत्ता न पालें।
2. बिजली, पुलिस व जेल विभाग में काम न करें।

उपाय :

1. घर में 2 चांदी की ईंटें कायम करें।
2. नारियल का दान करें।
3. चांदी की डिब्बी में चांदी का चौरस टुकड़ा रख कर गंगा जल भर कर रखें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु पहले खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सुखी, धनी, मेहनती होंगे। आपकी तरक्की अधिक तबदीली कम रहेगी। आप अपने पिता के लिए वरदान सिद्ध होंगे। आप पिता की सेवा करेंगे। आप सरकारी विभाग में सेवारत होंगे तो एक अच्छे सरकारी आफिसर हो सकते हैं। यात्रा का आदेश पत्र प्राप्ति के बावजूद यात्रा न होगी। आपकी आजीविका निरंतर चलती रहेगी। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में भी हो सकता है। आपको शक्ति मिलेगी। आपके भाग्य में शुभ फल प्राप्त होगा। पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। माता पर भी अच्छा प्रभाव ही रहना चाहिए। परंतु यह कोई जरूरी नहीं है कि माता पर शुभ प्रभाव ही पड़े। आप लाखों का लेन-देन करेंगे परंतु धन जमा होने में आशंका है। आप गुरु-पिता के सेवक होंगे।

यदि आप अपने पिता से दूर रहे, रिश्तेदारों को बर्बाद करने की कोशिश की या मकान को बिना कारण बेचा तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा

हो गया हो तो केतु के मंदे असर से जहां आपका जन्म होगा रिश्तेदार तबाह हो जाएंगे। आपके मन में काल्पनिक फिक्क पैदा हो सकती है। पुत्र को कोई कष्ट उत्पन्न होगा। आप पर बुरा असर पड़ सकता है। आपकी गृहस्थी पर कुछ बुरा प्रभाव पड़े ऐसी आशंका है। नाभि के नीचे की बीमारियां होंगी या आपको गुप्तांग में बीमारी हो सकती है। आपको लंबी या विदेश की यात्रा बीच में छोड़ कर वापिस आना पड़ सकता है। आपको संतानोत्पत्ति की चिंता बनी रहेगी। पोते के जन्म के बाद सेहत खराब हो सकती है।

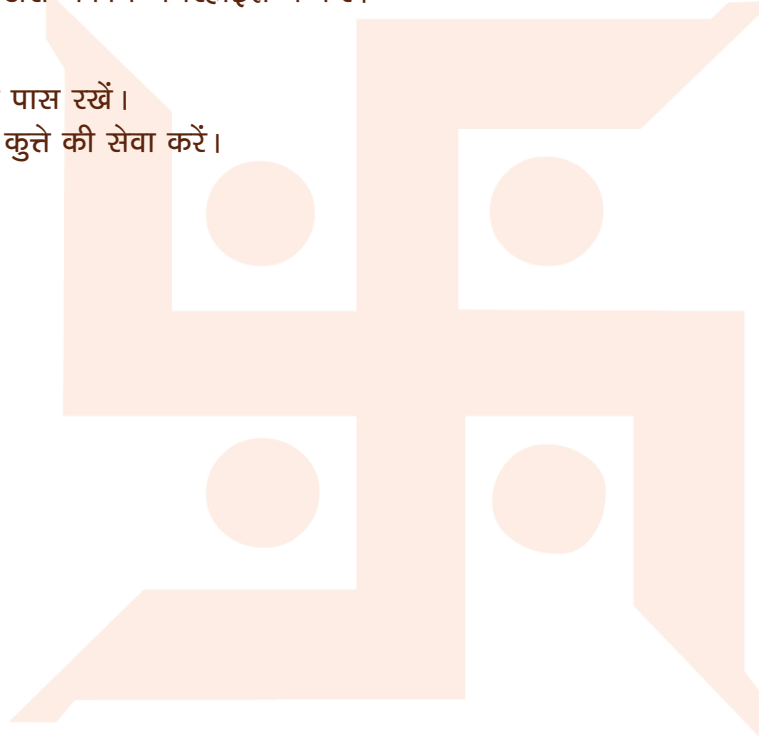
यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बकरी न पालें या बकरी की सेवा न करें।
2. गली के आखिरी मकान में रिहाईश न करें।

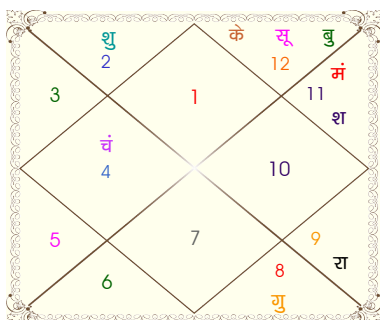
उपाय :

1. लाल रुमाल पास रखें।
2. काले-सफेद कुत्ते की सेवा करें।

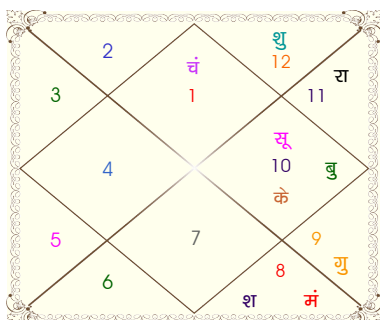


लाल किताब - वर्ष कुँडली

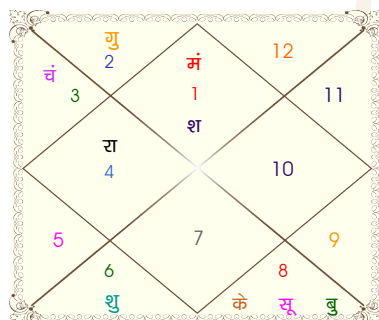
2025



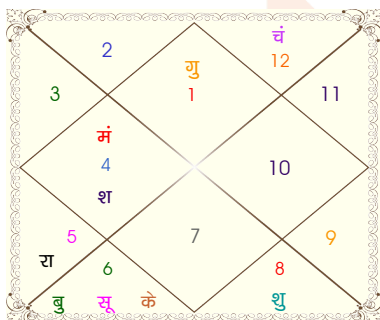
2026



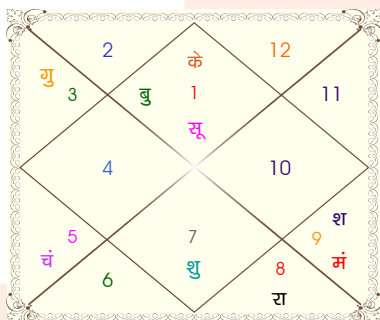
2027



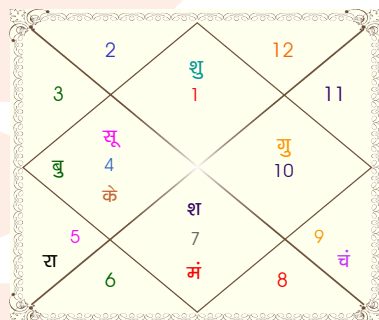
2028



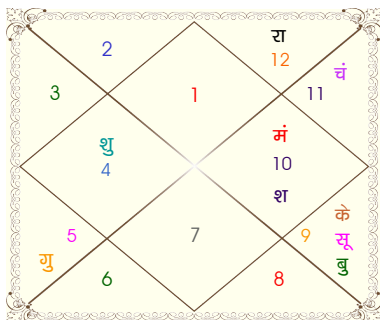
2029



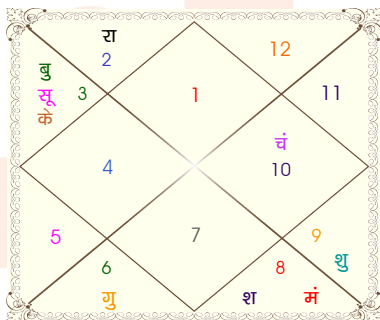
2030



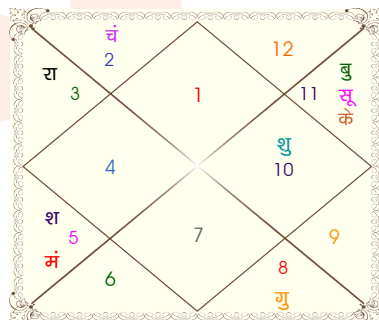
2031



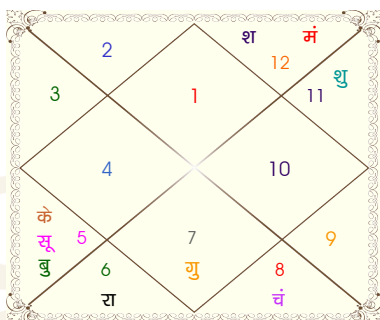
2032



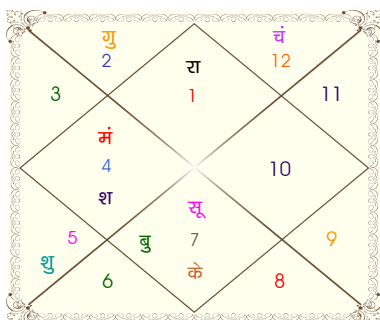
2033



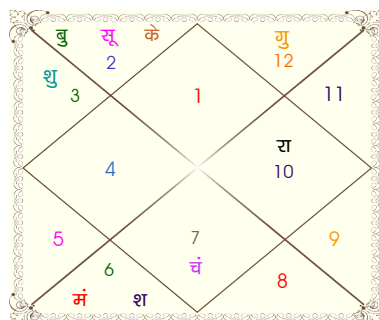
2034



2035



2036



लाल किताब वर्षफल 2025-2026

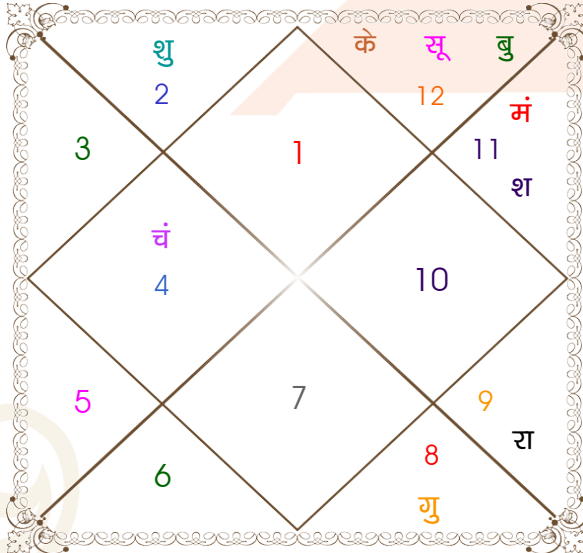
वर्तमान आयु - 45
वर्तमान दशा - राहु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

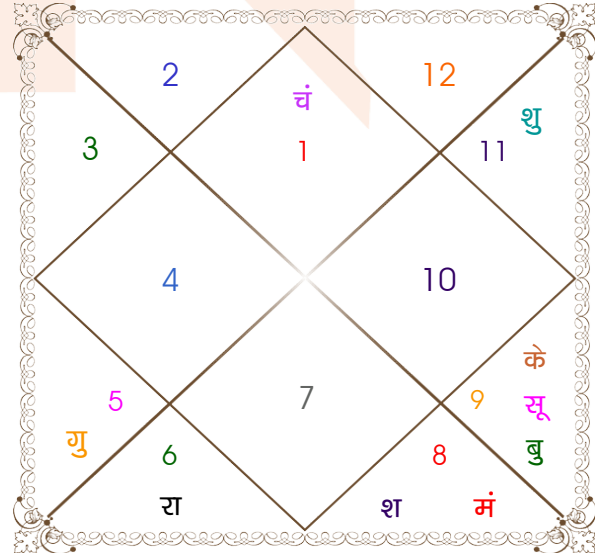
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आंखों में कष्ट का भय है। नीच या विधवा स्त्री से संबंध आपको हानि होगी, बिजली का सामान मुफ्त या गिफ्ट न लेवें। किसी की अमानत में ख्यानत न करें आप भी ख्याल रखें कि आपकी अमानत में ख्यानत न हो। मकानों से संबंधित और मैकेनिकल काम में हानि हो सकती है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. जल में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।
2. भूरी चीटियों को सूर्यास्त के समय त्रिचौली (शक्कर-तिल-चावल का टुकड़ा) डालें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप राजसी ठाट-बाट भोगेंगे या समय सूखपूर्वक गुजरेगा, समुद्री सफर या समुद्र से संबंधित कामों से लाभ होगा। कार्य करने से पहले किसी व्यक्ति की सलाह लेकर कार्य शुरू करना शुभ रहेगा। कोई अमानत आपके पास रख कर जाएगा वह उसे वापिस लेने नहीं आयेगा या अचानक धन-लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएंगे, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से इस वर्ष मादक द्रव्यों या चीजों का प्रयोग आपको बदजुबान बना सकता है जो आपके लिये हानिकारक होगा, ख्याली कारोबार (सोच-विचार कर करने वाले काम) या सद्वा/जुआं, लाटरी, शेयर आदि आपके लिये अनुकूल नहीं है। भ्रम या अज्ञानता के कारण आपका नुकसान हो सकता है।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. स्टील की बेजोड़ अंगूठी बांधे हाथ की कनिष्ठिका या मध्यमा अंगुली में पहनें।
2. खाली घड़ा ढक्कन लगाकर जल प्रवाह करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अगर कोई शारीरिक कष्ट होता है तो अपने आप टल जायेगा, पिता-दादा का सुख मिलेगा, भाई-बंधु आपके धन का उपभोग करेंगे। धन, आयु की वृद्धि होगी। गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आपके कामों में कोई रुकावट नहीं आएगी। यदि आप साधू भी बन जाये तो दुःखी न रहेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पीले वस्त्र पहनने वाले साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी घंटी, ठाकुर न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधू वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष धर्म पर अड़िग और पक्के रहेंगे। धर्म पर कायम रहेंगे तो मिट्टी के काम से सोना बनेगा। प्राण

जाय पर वचन न जायें वाली कहावत आप पर चरितार्थ होगी। लोहा, कोयला, रबड़ आदि के कामों से लाभ हो सकता है। व्यसनों से दूर रहेंगे तो बहुत लाभ होगा। इन्साफ पसंद वृत्ति रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किराये के मकान में रिहाइश न करें।
2. ठगी-धोखे से धन न कमाएं।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुलिस/कोर्ट का भय या चोरी का माल खरीदने का लांछन लग सकता है। पिता और ससुर को कष्ट या उनके द्वारा आपको हानि का भय है। साधू-फकीर का साथ फिजूल खर्ची ही बढ़ायेगा। तीर्थ यात्रा में रुकावट आ सकती है। धार्मिक कामों में रुचि रहेगी जो आपके लिये ठीक नहीं।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. धर्म मंदिर में सिर झुकावें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष भाई-बंधुओं से झगड़ा करना और समाज विरोधी कार्य करना ठीक नहीं, आवारा घूमने से आपकी तरक्की में रुकावट पैदा होगी, संतान का मंदा हाल होगा ऐसी आशंका है। कुत्ते के काटने का भय या आपके द्वारा कुत्ता मारा जाना आपके लिए और सेतान के लिए हानिकारक है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें

उपाय :

1. घर में काला-सफेद कुत्ता पालें या काले-सफेद कुत्ते को कम मीठे की रोटी खिलायें।
2. जीजा, साला और दोहता की सेवा करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- खाली घड़ा ढक्कन देकर जल प्रवाह करें या स्टील की अगुंठी बायें हाथ की कनिष्ठका अंगुली में पहनें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

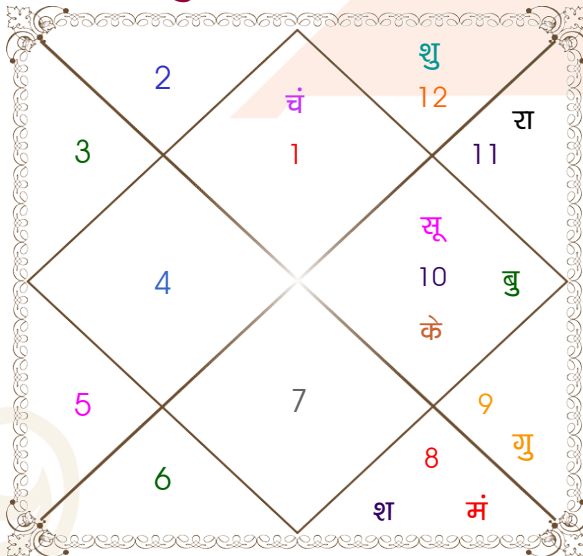
वर्तमान आयु - 46
वर्तमान दशा - राहु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंगल	--	--	--	मन्दा
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

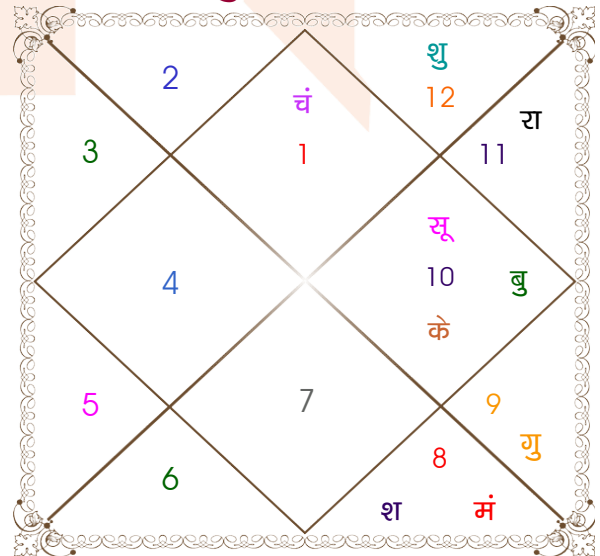
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता का सुख कम या पिता से लाभ न मिलेगा। आंखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, टोपी पहनें या पगड़ी/स्कार्फ बांधें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुंदर और सफेद कपड़े पहनने का शौक रहेगा, विद्या से लाभ, किसी की अमानत आपके पास रह सकती है माता-पिता की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, कभी यात्रा पर जायें तो यात्रा से वापस आकर माता के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेने से लाभ होगा। परिवार में बहुत देर बाद किसी के पुत्र संतान होगी।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक और अनैतिक संबंध न रखें।
2. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको किसी विधवा स्त्री से झगड़ा नहीं करना चाहिये। वैवाहिक समस्याएं या परिवार में कोई स्त्री विधवा हो सकती है। छोटे भाई अगर हों तो उस के लिये समय ठीक नहीं। आपकी जुबान से निकला अपशब्द लड़ाई-झगड़े का कारण होगा। आपको गुस्सा करना नुकसानदेह है, समय धैर्य से निकालें।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. विधवा स्त्री को उपहार देकर चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें।
2. तन्दूर में मीठी रोटियां लगवा कर कुत्तों को खिलायें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मादक चीजों का सेवन अहितकर है, शराब पीना, मछली खाना आपको हार और हानि का मुंह दिखायेगा, बहन-बेटी, साली-बुआ का धन उपभोग करने से आपको हानि हो सकती है। आप दूसरों के लिये बेवकूफ दोस्त के समान हो सकते हैं, हर कार्य सोच-समझ कर करें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मजदूर पेशा (बोझा उठाने वाले) व्यक्ति की सेवा करें।
2. मछलियों को भोजन का हिस्सा खिलायें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अपने पूर्वजों के द्वारा लाभ होगा, ज्योतिष और गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। परिवार के लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। आप दुनिया में अपने परिवार का नाम चमकाएंगे। जौहरी/सर्राफी के कामों से लाभ हो सकता है। आपकी आदत राजाओं जैसी बनेंगी। प्राण जाये पर वचन न जाये ही आपका धर्म होगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किया हुआ वायदा पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपकी इस वर्ष ज्योतिष विद्या और गुप्त विद्याओं में रुचि रह सकती है, परिवार का पालन-पोषण करने में आपका अधिक ध्यान रहेगा। पत्नी की किस्मत आप के आड़े समय में साथ देगी, ऐशो आराम के साधन मिलेंगे। चित्रकला-गायन का शौक भी हो सकता है। आपका मान-सम्मान बरकरार रहेगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. पत्नी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके मकान के साथ बंद गली हो उस मकान में आप रिहाइश नहीं रखेंगे तो लाभ होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता की चिंता रहेगी, पिता से दूरी या जुदाई हो सकती है। समय कुछ गरीबी में कट सकता है। मौके के ऑफिसर से झगड़ा करना आपको नुकसान पहुंचा सकता है। लॉकर/ दराज खाली न रखें उनमें कुछ धन रखें। परिवार पर गोली चलने का भय, नीला नग-नीलम और नीला-काला कपड़ा पहनना हानिकारक है।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर सफेद-शरबती टोपी पहनें या पगड़ी बांधें।
2. 4 किलो सिक्का (औफदप टुकड़ा और) चौरस, 4 नारियल सूखे (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीते हैं तो चांदी की पाईप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से यदि आपने इस वर्ष परस्त्री से संबंध रखे तो संतान को कष्ट या संतान की चिंता रहेगी, भाई से झगड़ा करना आपकी अवनति का कारण बनेगा। भाई अगर गलती भी करता है तो उसे माफ करने से आपको लाभ होगा। आपकी तरक्की होती रहेगी। माता/सास की सेहत खराब या चिंता रहेगी।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन सिर पर सफेद-शरबती टोपी/पगड़ी/रुमाल/स्कार्फ से ढाप कर रखें।
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।